एक नजर में

तेजाजीनगर थाने को मिला आईएसओ प्रमाणपत्र

इंदौर. हरियाली महोत्सव के अवसर पर तेजाजीनगर थाने में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस मौके पर पुलिस आयुक्त ने खुद उपस्थित होकर पौधरोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया. पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह द्वारा द्वारा आईएसओ प्रमाण पत्र प्राप्त तेजाजी नगर थाने का निरीक्षण भी किया. निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाने के रखरखाव, रिकॉर्ड संधारण, शस्त्रागार, हवालात, आगंतुक सहायता, संसाधनों की उपलब्धता और आपराधिक मामलों से संबंधित व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया. इस दौरान उन्होंने थाना स्टाफ से संवाद कर उनकी कार्यप्रणाली और अनुशासित व्यवहार की सराहना की. इस दौरान पुलिस आयुक्त ने कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा, कुशलता और जनसंतोष की भावना से करें. साथ ही थाना आने वाले नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आगंतुक प्रविष्टि के लिए क्यूआर कोड स्कैन सुविधा की शुरुआत भी की. यह सुविधा आगंतुकों की सुविधा के साथ-साथ पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है. कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह, पुलिस उपायुक्त जोन-1 विनोद कुमार मीणा, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आलोक शर्मा और सहायक पुलिस अधीक्षक अनुभाग आजादनगर रविन्द्र बिलवाल सहित कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहे.

घरेलू विवादों में हिंसा की दो वारदातें

इंदौर. शहर में घरेलू विवादों ने एक बार फिर हिंसक रूप ले लिया है. एरोड्रम थाना क्षेत्र में पति ने पत्नी से मारपीट कर दी और जब किराएदार बीचबचाव करने आए तो उनके साथ भी हाथापाई कर बाइक में तोड़फोड़ कर दी. दूसरी घटना सेठी नगर में हुई, जहां आपसी विवाद के चलते देवरानी ने जेठानी पर ईंट से हमला कर दिया. सभी मामलों में पुलिस जांच कर रही है. पहली घटना एरोड्रम थाना क्षेत्र के व्यंकटेश विहार कॉलोनी में हुई. यहां रहने वाली 26 वर्षीय विनिता तंवर ने अपने पति रोहित तंवर के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज, धमकी और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की शिकायत दर्ज कराई है. पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने किसी बात को लेकर पहले उसके साथ मारपीट की. शोर सुनकर मकान की ऊपरी मंजिल पर रहने वाले किराएदार शुभम जैन और अमन जैन नीचे आए और समझाने की कोशिश की. इस पर आरोपी ने उनके साथ भी झूमाझटकी की और अमन की मोटरसाइकिल में पत्थर मारकर नुकसान कर दिया. जाते-जाते उसने पत्नी को जान से मारने की धमकी भी दी. इसी तरह दूसरी घटना सेठी नगर में हुई, जहां 26 वर्षीय नम्रता कनसिया ने अपनी देवरानी रेखा कनसिया के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज कराया है. पुलिस को दी शिकायत में नम्रता ने बताया कि घरेलू विवाद के दौरान रेखा ने पहले गाली-गलौज की, फिर पास पड़ी ईंट का टुकड़ा उठाकर उस पर हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गई. दोनों मामलों में संबंधित थानों ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

घायल महिला की इलाज के दौरान मौत

इंदौर. कथा सुनने जा रही एक महिला की उस समय जान चली गई जब रास्ते में तेज रफ्तार बाइक सवार युवकों ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी. हादसे में महिला को गंभीर चोटें आई थीं. इलाज के दौरान इंदौर में उसकी मौत हो गई. मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. मृतका लाड़की बाई पति अमरसिंह अपने परिवार के साथ मानपुर क्षेत्र में स्थित एक रिश्तेदार के यहां कथा में शामिल होने जा रही थी. स्कूटी से निकली थीं, तभी रास्ते में बाइक पर सवार दो युवकों ने टक्कर मार दी. टक्कर के बाद सभी सड़क पर गिर पड़े, लेकिन लाड़की बाई के सिर में गंभीर चोट आई. हादसे के बाद परिजन उसे पहले मानपुर के स्थानीय अस्पताल ले गए, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे इंदौर रेफर कर दिया था. एमवाय अस्पताल में इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई, परिजनों का कहना है कि महिला अपनी मां के साथ ही कथा में शामिल होने निकली थी. फिलहाल पुलिस ने दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है और बाइक सवार युवकों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है.

4 साल से फरार, आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ा

इंदौर. एडवाइजरी कंपनी के नाम पर निवेशकों से धोखाधड़ी कर फरार चल रहे 5 हजार रुपए के ईनामी आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है. पकड़ा गया आरोपी संजय बालानी (40) निवासी स्कीम नंबर 103 केशरबाग, पिछले 4 वर्षों से पुलिस को चकमा दे रहा था. पुलिस उपायुक्त अभिनय विश्वकर्मा, एडीसीपी अमरेन्द्र सिंह और एसीपी आदित्य पटले के निर्देशन में थाना प्रभारी चंद्रकांत पटेल व टीम ने यह कार्रवाई की. फरियादी आनंद मोहालकर ने 6 मार्च 2021 को शिकायत दर्ज कराई थी कि यूनिक ट्रेडर्स, टू ट्रेडर्स, सुख ट्रेडर्स और नेशनल ट्रेडर्स जैसी एडवाइजरी कंपनियों ने शेयर बाजार में निवेश पर दोगुना लाभ का लालच देकर उनसे रकम वसूली. लेकिन बाद में पैसे वापस नहीं किए. फरियादी की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी संजय बालानी समेत अन्य के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की थी. इसी बीच विजय नगर पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी शहीद पार्क क्षेत्र में छिपा हुआ है. टीम ने घेराबंदी कर उसे धरदबोचा. आरोपी से पूछताछ की जा रही है.

चोरी करते पकड़ाया युवक, हमला कर भागा

इंदौर. कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित महारानी रोड पर स्थित एक कॉम्प्लेक्स की पार्किंग में चोरी की नीयत से घुसे एक युवक ने विरोध करने पर वहां मौजूद व्यक्ति पर धारदार हथियार से हमला कर दिया. आरोपी मौके से भाग गया, लेकिन जाते-जाते जान से मारने की धमकी दे गया. घटना में पीड़ित घायल हो गया, जिसकी शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. घटना गोयल कॉम्प्लेक्स की है, जहां उषा नगर निवासी 48 वर्षीय सुनील पंजाबी पहुंचे थे. उन्होंने देखा कि एक युवक उनकी कार की डिक्की खोले खड़ा है. जब सुनील ने उससे पूछताछ की तो आरोपी भागने की कोशिश करने लगा. सुनील ने उसे रोका तो आरोपी ने पहले गाली-गलौज कर विवाद शुरू किया और फिर कमर के पास किसी धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे खून बहने लगा. पीड़ित ने बताया कि उन्होंने आरोपी को पकड़ने की कोशिश की, तो उसने उनके साथ मारपीट भी की, जिससे उनके हाथ में चोट आई. हमले के बाद आरोपी ने धमकी देते हुए कहा मेरा नाम आवेश है, तू मुझे नहीं जानता. आज तो बच गया है, आगे से उलझेगा तो जान से खत्म कर दूंगा. फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ जानलेवा हमले, धमकी और मारपीट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है. सीसीटीवी फुटेज और आसपास के लोगों से पूछताछ कर मामले की जांच की जा रही है.

अर्श शूटिंग स्पोर्ट्स क्लब के निशानेबाज़ों ने जीते स्वर्ण पदक

इंदौर. हाल ही में आयोजित इंदौर जिला शूटिंग प्रतियोगिता में अर्श शूटिंग स्पोर्ट्स क्लब के प्रतिभाशाली निशानेबाज़ों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए व्यक्तिगत और टीम इवेंट में स्वर्ण पदक अपने नाम किया. 10 मीटर एयर राइफल पुरुष वर्ग में क्लब के निशानेबाज़ तनिष्क जायसवाल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 594/600 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता. वहीं, टीम इवेंट में भी अर्श शूटिंग क्लब के खिलाड़ियों ने अपना दबदबा कायम रखा. तनिष्क जायसवाल, रेहान खान और रुद्रांश चौधरी की तिकड़ी ने 10 मीटर एयर राइफल पुरुष टीम इवेंट में समन्वित प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अर्जित किया. इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर क्लब के कोच और संचालकों ने खिलाड़ियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की.

ऑनलाइन प्लेटफार्म- नशा, हथियार और ठगी का बने अड्डा !

- टेलीग्राम, सोशल मीडिया और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहे अपराधी
- सिकलीगर से लेकर स्टूडेंट तक शामिल

धर्मेंद्र सिंह चौहान

इंदौर. इंदौर समेत प्रदेश में अपराध की दुनिया अब वर्चुअल हो चली है. जहां हथियार, नशा और ठगी सब कुछ ऑनलाइन मिल रहा है. चुनौती अब सिर्फ सड़कों पर नहीं, स्क्रीन के भीतर भी है. जिसके चलते अब किसी भी प्रकार के हथियार हो या नशे का सामान इन दिनों आसानी से ऑनलाईन मिल रहा है, ऐसे में यह नया डिजिटल बाजार अब न सिर्फ हथियार और नशा ही नहीं बल्कि ठगी का भी अड्डा बन चुका है.

शहर और प्रदेश में एक नया क्रिमिनल ट्रेंड तेजी से उभर रहा है. अपराध अब सिर्फ गलियों, अड्डों या खुफिया ठिकानों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि स्मार्टफोन और इंटरनेट की स्क्रीन पर भी संगठित हो गया है. नशे का कारोबार हो, हथियारों की डिलीवरी या फिर ऑनलाइन ठगी के लिए बैंक खातों की किट , सब कुछ अब वर्चुअल प्लेटफॉर्म्स के ज़रिए सुलभ हो चुका है. पुलिस की हालिया कार्रवाई और पूछताछ में जो खुलासे हुए हैं, वे खौफनाक हैं और बता रहे हैं कि अपराध अब टेक-सैवी हो चुका है.

केस दो- बैंकिंग किट का गोरखधंधा- महालक्ष्मीनगर गोलीकांड में जब पुलिस ने आरोपियों को पकड़ा, तो उनके पास से एक क्राइम किट बरामद हुई जिसमें एटीएम कार्ड, बैंक पासबुक, सिम कार्ड और फर्जी आईडी शामिल थीं. ये सभी चीजें उन्होंने ऑनलाइन खरीदी थीं. पूछताछ में उन्होंने कबूला कि सोशल मीडिया पर ऐसे कई ग्रुप्स हैं, जो फुल क्राइम सेटअप बेचते हैं जिसका इस्तेमाल ऑनलाइन सट्टा, मनी लॉन्ड्रिंग और ठगी में भी होता है.

केस तीन- चाकू तक ऑनलाइन- कनाड़िया पुलिस ने हाल ही में रील बनाने बायपास पहुंचे दो युवकों और चार नाबालिगों से 6 धारदार चाकू बरामद किए थे . आरोपियों ने ये चाकू किसी स्थानीय हथियार सप्लायर से नहीं, बल्कि ऑनलाइन खरीदे थे. यह घटना बताती है कि अवैध चीजों की डिलीवरी अब एक क्लिक की दूरी पर है, और प्लेटफॉर्म्स की मॉनिटरिंग लगभग न के बराबर है.

सिस्टम की चूक या लापरवाही?- एक बड़ा सवाल यह भी है कि इतनी गंभीर गतिविधियां ऑनलाइन कैसे हो रही हैं फर्जी सिम कैसे एक्टिवेट हो रहे हैं? बैंक खाते बिना केवायसी के कैसे खुल रहे हैं? सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर ऐसे ग्रुप्स कैसे बेरोकटोक चल रहे हैं?

पुलिस की अपील और चेतावनी- पुलिस ने युवाओं और पालकों से अपील की है कि वे बच्चों के मोबाइल और सोशल मीडिया गतिविधियों पर नज़र रखें. साथ ही साइबर सेल को भी अलर्ट किया गया है कि ऐसे ग्रुप्स और लिंक की ट्रेसिंग कर इन्हें ब्लॉक किया जाए.

केस एक- छात्र बना एलएसडी तस्कर

भोपाल पुलिस ने हाल ही में एक स्टूडेंट को पकड़ा, जो टेलीग्राम जैसे एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म के जरिए एलएसडी जैसी खतरनाक ड्रग्स ऑनलाइन ऑर्डर करता था. यह युवक केरल से नशा मंगवाकर डाक के जरिए युवाओं तक पहुंचाता था. पुलिस की पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि सोशल मीडिया के ज़रिए वह डार्कनेट से जुड़े ग्रुप्स से जुड़ा था, जहां नशे की सप्लाई का नेटवर्क ऑपरेट होता है.

डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की ढाल में अपराध

इन तमाम घटनाओं में एक समानता है .अपराधी अब सीधे टकराव या जोखिम से बचने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का सहारा ले रहे हैं. टेलीग्राम, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप और यहां तक कि ई-कॉमर्स साइट्स पर भी नकली नाम और फर्जी अकाउंट से काम हो रहा है. पुलिस अधिकारियों का मानना है कि जब तक ऑनलाइन स्पेस पर निगरानी और रेगुलेशन मजबूत नहीं होगा, तब तक ये %डिजिटल अंडरवर्ल्ड% पनपता रहेगा.

केस चार- सिकलीगरों का डिजिटल शस्त्र कारोबार

धार, खरगोन और बड़वानी जैसे इलाकों में बसे सिकलीगर अब देसी कट्टों की ऑनलाइन मार्केटिंग कर रहे हैं. ये लोग वॉट्सऐप ग्रुप्स के माध्यम से हथियारों की फोटो भेजते हैं, डील तय करते हैं और फिर ग्राहकों से पैसे ऑनलाइन खातों में मंगवा लेते हैं. बाद में डिलीवरी किसी लोकल एजेंट के ज़रिए की जाती है. इस गिरोह में फर्जी सिम, दूसरे के नाम पर खोले गए बैंक खाते और झूठी आईडी का इस्तेमाल आम बात हो गई है.

व्यापारी ने जहर खाकर की आत्महत्या

अस्पताल कर्मी की तबीयत बिगड़ने के बाद मौत

इंदौर. शहर में दो अलग-अलग मामलों में संदिग्ध परिस्थितियों में दो लोगों की मौत हो गई. एक मामला बाणगंगा क्षेत्र का है, जहां अस्पताल में कार्यरत एक व्यक्ति की तबीयत बिगड़ने के कुछ देर बाद मौत हो गई. वहीं दूसरी घटना मूसाखेड़ी इलाके की है, जहां एक व्यापारी ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली.

पहली घटना में बाणगंगा क्षेत्र निवासी 38 वर्षीय रतनदीप सूर्यवंशी की अचानक तबीयत बिगड़ गई थी. परिजनों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने दवाई लेने के कुछ देर बाद झाग छोड़ना शुरू कर दिया और बेहोश हो गए थे, तत्काल उन्हें एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. मृतक के भाई विमलदीप ने पुलिस को बताया कि रतनदीप परिवार से अलग रहते थे. उनके परिवार में एक बेटी और दो भाई हैं. फिलहाल मौत के कारणों को लेकर स्पष्टता नहीं है और पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है. इसी तरह दूसरी घटना छावनी मंडी क्षेत्र की है, जहां वारदाने का काम करने वाले 50 वर्षीय व्यापारी राजेश शर्मा ने देर शाम मूसाखेड़ी स्थित अपने घर पर जहरीला पदार्थ सेवन कर लिया. हालत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई. पड़ोसियों के अनुसार राजेश शादी न होने को लेकर लंबे समय से तनाव में था. उनके पिता का निधन पहले ही हो चुका था और वे अपनी वृद्ध मां के साथ रहते थे. पुलिस ने दोनों ही मामलो में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरु कर दी है.

फेक ट्रांजेक्शन गैंग पर पुलिस का शिकंजा

- दो शातिर ठग गिरफ्तार, 46हज़ार की अंगूठी व दो मोबाइल बरामद

इंदौर. नकली डिजिटल भुगतान दिखाकर ज्वेलस को चूना लगाने वाले दो युवकों को परदेशीपुरा पुलिस ने धरदबोचा. दोनों आरोपी सतना ज़िले के रहने वाले हैं और पिछले तीन साल से इंदौर में पढ़ाई के बहाने रुककर शौक पूरे करने के लिए ठगी कर रहे थे. उनके कब्जे से 46 हजार की सोने की अंगूठी तथा फर्जी ट्रांजेक्शन में इस्तेमाल दो मोबाइल जब्त किए हैं. टीम उनसे अन्य वारदातों का सुराग खंगाल रही है.

एसीपी परदेशीपुरा हिमानी मिश्रा ने बताया कि मामले में थाना प्रभारी आरडी कानवा ने विशेष टीम गठित की. शिकायत सोमवार 30 जून को पाटनीपुरा में रहने वाले जयेश सोनी ने दर्ज कराई थी. उन्होंने बताया कि उनकी श्यामलाल एण्ड संस ज्वैलरी शॉप में एक युवक आया, 46 हज़ार की अंगूठी खरीदी और क्यूआर कोड स्कैन कर फर्जी ट्रांजेक्शन रसीद दिखा कर रफूचक्कर हो गया. फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर एक जांच टीम गठित की जिसने लगातार सीसीटीवी फुटेज खंगाले, तकनीकी साक्ष्य जुटाए और मुखबिरों की मदद ली. 23 वर्षीय आरोपी विकास पटेल निवासी रामनगर, सतना को पकड़ा गया. पूछताछ में उसने साथी 23 वर्षीय कमल नयन बैस का नाम उगला. कमल नयन को भी उसी दिन दबोच लिया. दोनों के पास विभिन्न ज्वेलरी दुकानों के कई बिल मिले हैं, जिनकी पुष्टि की जा रही है.

फर्जी एप से दिखाते थे पेमेंट

थाना प्रभारी आरडी कानवा ने बताया कि दोनों दोस्त फर्जी 'डुप्लीकेट पे फोन एप से बड़ा अमाउंट टाइप कर पेमेंट सफल दिखाते, दुकानदार बिल बनाने में व्यस्त होते और तभी माल लेकर निकल जाते. फिलहाल आरोपी पुलिस रिमांड पर हैं. उनसे पूछताछ के दौरान शहर और आस पास की अन्य ठगी घटनाओं के खुलासे की उम्मीद है.

नशे में धुत चालक ने ट्रैफिक पुलिस से की बहस

- खुद को बता रहा था आबकारी विभाग का
- तेजाजी नगर पर रॉन्ग साइड से आ रहा था शराब से भरा ट्रक
- जांच में चालक शराब के नशे में पकड़ाया

इंदौर. तेजाजी नगर क्षेत्र में शाम एक शराबी ट्रक चालक ने ट्रैफिक पुलिस की टीम से यह कहकर बहस शुरू कर दी कि उसका ट्रक आबकारी विभाग का है और पुलिस उसे रोक नहीं सकती. यह ट्रक सिमरोल की ओर से रॉन्ग साइड तेज रफ्तार में आ रहा था और चालक शराब के नशे में पूरी तरह धुत था.

ट्रैफिक पुलिस टीम ने ट्रक नम्बर एमपी 09 एचएच 5591 को रोकने की कोशिश की तो चालक ने वाहन की रफ्तार और बढ़ा दी. आगे तैनात सूबेदार अमितकुमार यादव ने जब ट्रक को रोका, तो पाया कि चालक बुरी तरह नशे में है. पूछताछ के दौरान उसने कहा कि यह आबकारी विभाग का ट्रक है और उसे जल्दी जाना है, इसलिए कोई उसे नहीं रोक सकता. टीम ने सख्ती दिखाई तो चालक ने ट्रक मालिक से फोन पर बात करवाई. मालिक ने टीम को गुमराह करते हुए कहा कि उनका चालक मुस्लिम है, इसलिए उसके शराब पीने का सवाल ही नहीं उठता. साथ ही यह भी कहा कि मेडिकल करा लो और गाड़ी छोड़ दो. लेकिन जब चालक की ब्रीथ एनालाइजर से जांच की गई तो उसमें भारी मात्रा में शराब की पुष्टि हुई. सूबेदार अमितकुमार यादव ने रॉन्ग साइड वाहन चलाना, पुलिस द्वारा रोकने पर न रुकना, खतरनाक ढंग से वाहन चलाना, बीमा न होना, आदेशों की अवहेलना और नशे की हालत में वाहन चलाना जैसी धाराओं के तहत कार्रवाई कर ट्रक को जब्त कर तेजाजी नगर थाने में खड़ा कराया.

धमकाया और समझौते का दिया लालच

वहीं जोन-3 के एसीपी हिंदूसिंह मुवेल ने बताया कि ट्रक चालक इब्राहिम ने टीम से अभद्रता की, वहीं ट्रक मालिक ने पहले पुलिस को धमकाया और फिर समझौते का लालच दिया. इसके बावजूद पुलिस ने 16 हजार का चालान बनाकर ट्रक को न्यायालय से छोड़े जाने की स्थिति तक जब्त कर लिया है. जिस तरह से ट्रक तेज रफ्तार में रॉन्ग साइड आ रहा था, उससे एक बड़ा हादसा टल गया. पुलिस अधिकारियों ने कहा है कि इस तरह की लापरवाही और दबाव डालने की कोशिशों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.

लव जिहाद फंडिंग के आरोप में फरार पार्षद पर रासुका लगते ही प्रशासन, पुलिस कटघरे में

पार्षद पद रिक्त होने से वार्ड 58 में उपचुनाव की सुगबुगाहट

इंदौर. विधानसभा क्षेत्र तीन का वार्ड 58 इस समय प्रतिनिधि विहीन हो गया है. लव जिहाद फंडिंग प्रकरण में फरार पार्षद के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून की कठोर कार्रवाई और 18 आपराधिक मुकदमे दर्ज होने के बाद अब उपचुनाव कराने की चर्चा तेज हो गई है.

नगर निगम सूत्रों के मुताबिक महापौर ने कानूनन प्रक्रिया पूरी कर पार्षद पद खाली घोषित करने की सिफारिश पहले ही संभागायुक्त को भेज दी है, यदि प्रशासन औपचारिक रूप से पद रिक्त घोषित करता है, तो निर्वाचन आयोग उपचुनाव की तारीख तय कर सकता है. उधर, बाणगंगा पुलिस पर आरोप है कि इनामी घोषणा और प्रकरण दर्ज करने के बावजूद वह आरोपी को पकड़ने में नाकाम रही. थाना प्रभारी से लेकर पूरी टीम के हाथ फिलहाल खाली हैं. शहर पुलिस की इस सुस्ती पर नागरिक संगठन सवाल उठा रहे हैं. राजनीतिक मोर्चे पर स्थिति उतनी ही असहज है. मगर प्रदेश कांग्रेस ने इस मामले में अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी. पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी भी प्रकरण पर बोलने से परहेज कर रहे हैं, जबकि भाजपा ने वार्ड 58 की जनता को जल्द चुनाव का भरोसा दिलाते हुए पारदर्शी कार्रवाई की मांग की है. प्रशासनिक स्तर पर कलेक्टर ने रासुका की कार्रवाई के साथ संपत्ति तथा लेन देन का ब्योरा तलब किया है. जिले की सुरक्षा शाखा और क्राइम ब्रांच को आरोपी की लोकेशन और नेटवर्क खंगालने के निर्देश दिए हैं.

छोटे श्वान को गर्दन से पकड़ रील बनाना पड़ा महंगा

- शिकायत पहुंची पुलिस और वेलफेयर बोर्ड तक
- तीन इमली क्षेत्र की घटना, पशुप्रेमियों ने की कड़ी आपत्ति

इंदौर. शहर में एक युवक द्वारा छोटे श्वान को गर्दन से पकड़कर इंस्टाग्राम रील बनाना महंगा पड़ सकता है. पशुप्रेमियों ने इस अमानवीय हरकत पर नाराजगी जताते हुए पुलिस कमिश्नर और एनिमल वेलफेयर बोर्ड को शिकायत भेजी है. मामला तीन इमली चौराहे के पास का बताया जा रहा है. शिकायत पीपल फॉर एनिमल संस्था के प्रियांशु जैन द्वारा की गई है. उन्होंने बताया कि वीडियो में रिक्शा चालक अज्जू नामक युवक एक छोटे श्वान को उसकी गर्दन पकड़कर हवा में उठाता नजर आ रहा है और यह पूरी घटना इंस्टाग्राम रील में रिकॉर्ड की गई है. यह हरकत जानवर की सेहत को नुकसान पहुंचा सकती है और पशु क्रूरता की श्रेणी में आती है. जैन के अनुसार इस तरह की वीडियो न सिर्फ कानून का उल्लंघन है, बल्कि अन्य लोगों को भी ऐसे कृत्य करने के लिए प्रेरित कर सकती है, जिससे बेजुबान जानवरों के प्रति हिंसा को बढ़ावा मिलता है. उन्होंने मामले में संबंधित युवक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है. फिलहाल पुलिस और पशु कल्याण से जुड़े विभाग ने शिकायत को संज्ञान में लेकर जांच शुरू कर दी है.

परेशानी ▶ सरकारी स्कूल में नहीं मिलती गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

बच्चों को निजी स्कूल भेजने को मजबूर पालक

इंदौर. शिक्षा का सत्र शुरू हो चुका है. सरकारी और निजी स्कूलों में नए छात्रों की आमद हो चुकी है. इस वर्ष भी पालकगण अपने बच्चों को निजी स्कूलों में दाखिला करवाने के लिए मज़बूर है. शायद सरकारी स्कूलों से शिक्षा सुविधाएं काफी दूर है.

अगर देश की बात की जाए तो भारत में तकरीबन दस लाख बावीस हज़ार तीन सौ छियासी सरकारी स्कूल है. अगर सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों की तुलना की जाए तो गैर सरकारी स्कूलों में अधिमूल्य लागत पर व्यक्तिगत ध्यान व नवीन पाठ्यक्रम पदान करते है. जबकि सरकारी स्कूल मुफ्त शिक्षा समान अवसर, सामाजिक कौशल विकास, आत्मविश्वास और सुरक्षित वातावरण, सुलभता विविधता और मानकीकृत शिक्षा को बढ़ावा देते हैं. फिर भी आज पालकगण अपने बच्चों के लिए गैर सरकारी स्कूल की चुनते है जो चिंता का विषय है. इसके कई कारण सामने आए है जिनमें सबसे बड़ा और ध्यान देने वाला कारण है शिक्षक के ज्ञान और पढ़ाने की प्रक्रिया विशेषताएं या शिक्षक की गुणवत्ता, जो पालक को निजी स्कूलों में दिखाई देती है. सरकारी स्कूलों में छात्रों की कमी दिख रही है.

इनका कहना है ...

सरकारी स्कूल अपने आप में महत्वपूर्ण है. यहां वो प्रणाली है जो पूरे देश के छात्रों को जोड़े रखती है. यहां गंभीर बात है. राज्य एवं केंद्र सरकार को इस पर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए.

- शुभम मालवीय

सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को दूसरे कार्य में झोंक दिया जाता है. जबकि अच्छी शिक्षा देने के लिए शिक्षकों को समय-समय पर प्रशिक्षण देना चाहिए. तभी सरकारी स्कूल के छात्रों की शिक्षा का स्तर ठीक हो पाएगा.

- नवीन बेनवाल

पीएससी, जेईई, नीट जैसी परीक्षाओं में परीक्षा पत्र इतने कठिन होते है कि टीचर भी हल करने के परेशान हो जाते है. अपने बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए माता-पिता निजी स्कूल जाते हैं जो मजबूरी है.

- नदिम खान